भारत सरकार
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2714
बुधवार, दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने हेतु

<u>रेल लाइनों के किनारे सौर पैनल लगाया जाना</u>

2714. श्री दरोगा प्रसाद सरोजः
श्री संजय हरिभाऊ जाधवः
श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकरः क्या नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार रेल लाइनों के दोनों ओर सौर पैनल लगाकर विद्युत उत्पादन करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश के लालगंज संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आजमगढ़ जिले तथा परभणी और उस्मानाबाद संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों में स्थापित पवन चक्की और सौर ऊर्जा का ब्यौरा क्या है;

(ग) उत्तर प्रदेश, मराठावाड़ा क्षेत्र सहित महाराष्ट्र में नवीकरणीय ऊर्जा के उत्पादन के लिए हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाओं (पवन चक्कियां और सौर ऊर्जा) के कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा क्या निर्णय लिया गया है;

(घ) आजमगढ़ जिले सहित उत्तर प्रदेश और परभणी और उस्मानाबाद जिलों सहित मराठावाड़ा क्षेत्र में उक्त परियोजना के अंतर्गत कितनी लागत आई है; और

(ङ) क्या उक्त योजना के माध्यम से स्थानीय लोगों को रोजगार मिला है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा एवं विद्युत राज्य मंत्री
(श्री श्रीपाद येसो नाईक)

(क) अब तक भारतीय रेल ने रेल लाइनों के दोनों ओर जमीन पर लगभग 3.7 मेगावाट क्षमता के सौर विद्युत संयंत्र स्थापित कर लिए हैं। इसके अलावा, ट्रैक के दोनों ओर जमीन पर सौर ऊर्जा संयंत्रों का प्रसार एक सतत प्रक्रिया है और इसे व्यवहार्यता और अनुकूलता के आधार पर शुरू किया जाएगा।

(ख) उत्तर प्रदेश के लालगंज संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आजमगढ़ जिले के लिए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी से प्राप्त जानकारी तथा महाराष्ट्र के परभणी और उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्र के लिए महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान स्थापित पवन चक्कियों और सौर ऊर्जा का ब्यौरा निम्नानुसार है:

1. लालगंज संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आजमगढ़ जिला:
   सौर: 3038.5 मेगावाट
   पवन चक्की: शून्य

2. परभणी संसदीय क्षेत्रः

सौरः 262.15 मेगावाट

पवन चक्कीः शून्य

3. उस्मानाबाद संसदीय क्षेत्रः

सौरः 50.69 मेगावाट

पवन चक्कीः 344.2 मेगावाट

(ग) उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पवन ऊर्जा की कोई संभाव्यता न होने के कारण, कोई हाइब्रिड ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित नहीं की गई हैं। इसके अलावा, महाराष्ट्र के मामले में, महाराष्ट्र अक्षय ऊर्जा नीति 2020 हाइब्रिड परियोजनाओं के विकास को प्राथमिकता देती है।

(घ) परियोजनाएं आमतौर पर निजी डेवलपर्स/व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं के निवेश से कार्यान्वित की जाती हैं।

(ङ) सामान्यतः सौर और पवन परियोजनाओं के विकास से परियोजना के निर्माण और प्रचालन दोनों अवधि के दौरान रोजगार का सृजन होता है।

महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, महाराष्ट्र के परभणी और उस्मानाबाद निर्वाचन क्षेत्र में 312.84 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं के कार्यान्वयन से लगभग 1252 नौकरियां और 344.2 मेगावाट क्षमता की पवन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से लगभग 689 नौकरियां सृजित हुई होंगी। तथापि, उत्तर प्रदेश के लालगंज संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आजमगढ़ जिले में रोजगार के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।

*****